४०२/४८४

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी - १५ जून, २०१४)

(समय : दोपहर २:०० से ४:१५) **सत्संग प्रवेश - २**

सूचना : प्रश्न के बाद में दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं । **कुल गुण : ७५**

विभाग-१ : किशोर सत्संग प्रवेश - प्रथम संस्करण, जून - १९९७

प्र.१ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । [९]

१. ''महाराज यदि नाराज होंगे तो आपका अपराध हम अपने सिर पर ले लेंगे, हमारी ओर देखिये ।'' (६३-६४)

२. ''तुम सबने अपना घरपरिवार सम्हालते हुए हज़ार, दो हज़ार दिये हैं ।'' (३९)

३. ''इस गाँव में तो स्वामिनारायण भगवान की आन-आज्ञा है ।'' (५८)

प्र.२ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) [६]

१. जिज्ञासु को श्रोत्रिय गुरु के पास जाना चाहिए । (२७)

२. मांसभक्षण नहीं करना चाहिए । (७-८)

३. महाराज ने शीतलदास को भागवती दीक्षा देकर व्यापकानन्द स्वामी नाम रखा । (१६-१७)

प्र.३ 'ग्रहण, आपद् धर्म और प्रायश्चित्त' (११-१३) - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक)** [५]

प्र.४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । [५]

१. श्रीजीमहाराज ने कितने वर्ष सत्संग में विचरण किया था ? (५९)

२. प्रभाशंकर को बचपन से कैसी अभिरुचि थी ? (६२)

३. गुरु का दिया हुआ तेज क्या है ? (२९)

४. श्रीजीमहाराज के लिए काशीदास के मन में क्यों संशय पैदा हुआ ? (३२)

५. पटलाइन जब गढड़ा पहुँची तब महाराज क्या करते थे ? (२६)

प्र.५ 'एक व्यक्ति ने लाख रुपये की .....' (६९-७०) - **'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण कीजिए ।** [५]

प्र.६ निम्नलिखित कीर्तन / अष्टक / श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । [८]

१. हे कृपालो ! हे भक्तपते ! ..... शिक्षापत्री प्रमाण । (२२)

२. हमने है यज्ञ ..... शर्म किस के लिए । (शोर्यगीत)

३. लोकोत्तरै ..... नमामि ॥ (२१)

४. कार्यं न सहसा ..... सताम् ॥ (६६) - श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए ।

विभाग-२ : शास्त्रीजी महाराज - प्रथम संस्करण, जून - १९९७

प्र.७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । [९]

१. ''ये ही वे स्वामीजी हैं, जिनकी कीर्ति आज सारे गुजरात में फैली हुई है !'' (७६)

२. ''मन्दिर बनवाने का वचन भी दिया था ।'' (६७)

३. ''इस गाँव में मूलु महेतर और कृष्ण माली जहाँ पर रहते थे, वहाँ श्रीजीमहाराज पधारे थे ।'' (८८)

प्र.८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) [६]

१. स्वामीश्री ने हरिकृष्ण महाराज की मूर्ति के सामने प्रार्थना की । (५६)

२. डुंगर भक्त बचपन से ही निडर थे । (६)

३. रंगाचार्य को भगतजी के दर्शन की तीव्र इच्छा हुई । (३०)

प्र.९ निम्नलिखित किन्हीं <u>एक</u> प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए । (वर्णनात्मक) [५]

१. अक्षरधाम का द्वार (९१-९२) २. विरोध की आँधी (५१-५२) ३. दिव्य समाधि (८२-८३)

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । [५]

१. समाधान की चर्चा रूक जाने पर स्वामीश्री ने क्या कहा ? (७८)

२. स्वामीश्री की जय बुलाने की बात सुनकर गलभाईने क्या कहा ? (४९)

३. डुंगर भक्त किस के साथ बोरियावी स्टेशन पहुँचे ? (१८)

४. गोरधनभाई ने हरिभक्तों को किस बात का ध्यान रखने को कहा ? (५३)

५. बोचासण मंदिर की मूर्तिप्रतिष्ठा कब हुई ? (६४)

(पृष्ठ पलटिये)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किये गये पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर ''**सत्संग प्रवेश-२**''परीक्षा दी है । निम्नलिखित बातें सही हैं, जो आपको विदित हो ।

परीक्षार्थी का जन्म दिन :- दिनांक ☐☐ महीना ☐☐ साल ☐☐☐☐

परीक्षा दिनांक और परीक्षा का समय :

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर :

सूचना : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगत भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को वापस कर दें । सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा दे । (अपूर्ण विवरणवाली उपस्थिति स्लीपें मान्य नहि होंगी ।)

प्र.११ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । **[६]**

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहि दिया जाएगा ।

१. नारायणस्वरूपदासजी संस्था के प्रमुख । (९६-९७)

(१) ☐ यह योगी महाराज वचनसिद्ध सन्त हैं । (२) ☐ यह निर्गुणदास स्वामी वचनसिद्ध सन्त हैं ।

(३) ☐ नारायणस्वरूपदास जी की उम्र २६ वर्ष । (४) ☐ नारायणस्वरूपदासजी की उम्र २८ वर्ष ।

२. डुंगर भक्त की कलादृष्टि । (११)

(१) ☐ रावजीभाई के घर में काँच का झुम्मर ।

(२) ☐ वैष्णवों की हवेली के झरोखे में गोल खम्भे ।

(३) ☐ वैष्णवों की हवेली में ठाकोरजी का सिंहासन ।

(४) ☐ चौपाल पर कथा ।

३. वढ़वाण मन्दिर में अक्षरपुरुषोत्तम की प्रतिष्ठा । (४७-४८)

(१) ☐ ''हमें तार से समाचार देना ।''

(२) ☐ ''कोठारी भी यज्ञपुरुषदास को कुछ नहीं कहते ।''

(३) ☐ ''जैसी श्रीजीमहाराज की मरजी ।''

(४) ☐ ''अक्षरपुरुषोत्तम महाराज की मूर्तियों की प्रतिष्ठा मध्य खणड में की ।''

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । **[६]**

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे । अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

उदाहरण : विद्यारम्भ : एक समय पीज गाँव में एक माणभट्ट आये, वे धातु की थाली बजाकर रामायण की कथा कहते थे । प्रागजी भक्त ने एक बार कथा सुनी और कण्ठस्थ हो गई ।

उत्तर : विद्यारम्भ : एक समय **वसो** गाँव में एक माणभट्ट आये, वे **माणमिट्टी** की **गोल बड़ी गगरी** बजाकर **महाभारत** की कथा कहते थे । **डुंगर** भक्त ने एक बार कथा सुनी और कण्ठस्थ हो गई ।

१. **चमत्कार की परंपरा :** चार साल के डुंगर भक्त परिवार के किसी व्यक्ति की शादी में वीरसद गये थे । (५)

२. **यह तो मेरा छैलछबीला लाल :** नारायणचरणदासजी वे पाँवड़ी चाहते थे । भगतजी का आदेश मिलते ही यज्ञपुरुषदास ने वह प्रेम से उन्हें दे दी । (२५)

३. **सन्तों की प्रेरणा :** उस गद्दी के उत्तराधिकारी अजेन्द्रप्रसादजी महाराज को छोड़कर उनके बदले कुंजविहारीप्रसादजी को जो कि उस समय तीन ही साल के थे - कुछ साधु और पार्षदों ने मिलकर गद्दी पर बिठा दिया । (४२)

४. **गुणातीत - समाधि स्थान में मन्दिर :** हरिभाई ने एक शर्त रखी थी कि उस स्थान पर स्थायी रूप से मन्दिर ही होना चाहिये, तीन वर्षों में वह काम पूरा होना चाहिए । (८३)

५. **गुरुशिष्य का प्रेमप्रवाह :** भगतजी महाराज के दर्शन को यहाँ से जानेवाले कुछ हरिभक्तों के साथ विज्ञानदासजी ने हरिकृष्ण महाराज की प्रसादी के स्वरूप बेले की कलियों का हार और पत्तर भेंट के रूप में भेजा था । (२६)

६. **वडताल के साथ समाधान की चर्चा :** स्वामीश्री ने गाँव से स्टेशन और स्टेशन से गाँव के तीन चक्कर काटे, अन्त में नरसिंहदास के लड़के गोविंदभाई रास्ते में मिल गये, उन्होंने टिकट कटवा दिया । (७९)

* * *

सूचना : इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक ६ जुलाई, २०१४ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे । मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के ईलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखें हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे । परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'डमी राइटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद मानी जाएगी । एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद मानी जाएगी । काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे । अस्पष्ट और पढ़ा ना जा सके ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे । अभ्यास क्रम में सामिल पुस्तक की अंतिम संस्करण का ही उपयोग करें । परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है ।

☞ **अगत्य की सूचना : सभी परीक्षार्थी अपनी संस्था की निम्नलिखित website - link पर से पुराने सालों के प्रश्नपत्र और उसके उकेलपत्र नि:शुल्क डाउनलोड कर सकते हैं और उसकी प्रिन्ट भी निकाल सकते हैं ।**

http://www.swaminarayan.org/satsangexams/pastpapers/index.htm